

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 15 August 2017 01:26

: 00000 00 000000 00000000 00 00000,000000000000 00 0000 0000000000 :000000000000
000000 0000 00000000 0000 00000 0000 00000 00 00000000 00 0000 0000000 0000 00000
0000000,0000 00 00 000000000 00 0000 00000 0000 :0000000 0000 000000-000000 00 0000000
000000 00 00000000 00 000000 00 000000 00 000000000 000000 00000000 :



000000 000000

00000 : बहराइच शहर से करीब 55 किलोमीटर दूर है महींपुरवा नगर और यहां से चंद मील दूर है जरई नाला रविवार को यहां शारदा यानी घाघरा नदी अचानक उफाने लगी हाहाकार मचाती यह नदी अपनी सारी मर्यादा हमेशा की तरह ही तोड़ती और तहस-नहस करे हुए आसपास के इलाके के लीलने में आमादा दखि रही थी वक्त रहा था रात क करीब बारह बजे बाढ़ की रफ्तार से भयभीत लोग अपने आशयाने के छोड़ कर प्रभावित क्षेत्र से जल दी से जल दी बाहर नक्लने की केशशि में थे क अचानक मोटरसायकल पर सवार दो युवक इस बाढ़ में फंस गये न वापस जा सकते थे, और न ही आगे बढ़ जा पा रहे थे सबसे बड़ी दक्लित की बात तो यह थी क अगर यह लोग वहीं पर रूक जाते, तो इस बात की पूरी आशंक थी क बाढ़ क प्रवाह उन हैं भी हमेशा-हमेशा के ली अपने कल के गाल में समेट कर खल म कर देता

000000000000 00 000000 000000 00 000000 00 0000 00000000 00000 00 000000 0000000 :-

00000000 000000000000

लेकिन अचानक इसी बीच जिला प्रशासन के खबर मली क इस वनिशकरी बाढ़ में दो युवक फंस गये हैं खबर पाते ही जिला प्रशासन तल कल सक्रयि हुआ और बाढ़ में फंसे इन युवकों के बचाने के ली मोटरबोट, गोताखोर, और बाढ़ से नपिटने में माहरि वशिषज्जों की टोली मौके पर रवाना कर दी जिला प्रशासन तब तक सक्रयि रहा, जब तक उन दोनों बाढ़ पीड़ितों के सुरक्लति बाहर नक्लने की खबर न पहुंच गयी

यह तो कस सा है जिला प्रशासन की सतर्क्ता की लेकिन खबर के धंधे में जुटे लोगों के शर्मनाक खर्राटों ने पूरी पत्रकरता के क्लंकित कर दिया इस मामले में जिलाधक्करी ने जसि तरह मेरे जैसे अनजान शख्स के मोबाइल से आये फोन के महज दो घंटी पर ही रसि पांस कर दिया, और खबर पाते ही मामले के आम आदमी की पीड़ा के बजाय खुद अपने परिवार की समस् या के तौर पर देखा और नपिटाया, वह तो वाकई लाजवाब है लेकिन जसि तरह पूरे बहराइच के पत्रकरों ने अपनी संवेदनहीनता क प्रदर्शन इस रात कयिा, वह उनकी गैरजमि मेदार-पूरण दलालीग्रस् त और हल यारी पत्रकरता क बेहद घनौनी तस् वीर ही है

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 15 August 2017 01:26

000000 00 000000 00 000000 00 000 000000 0000000 00000 00 000000 00000000 :-

0000 00 0000000

दरअसल, रविवार की रात मेरे कमल्ट्र देर रात फोन पर मुझसे बात कर रहे थे। गोरखपुर के कबड़े गैर-सरकारी संगठन के मुखिया और मूलतः चकित्सक डॉक्ट्र टर भानु के मेरी बातचीत के बीच ही खबर मली कि बहराइच के जरई नाले के पास दो युवकबुरी तरह पानी में फंस चुके हैं। उन् होंने बताया कि अगर कोई ठोस मदद नहीं पहुंची तो वह दोनों ही प्रलयंकारी बाढ़ में जनि दा बह जागे। डॉक्ट्र टर भानु ने मुझे उन लोगों के फोन नम्बर भी दिये। मैंने तत्काल बहराइच के जलाधिकारी अजय दीप सहि के फोन किया। हैरत की बात है कि केवल दो घंटी में ही उस डीएम क फोन उठ गया। मैंने अपना परिचय देते हु पूरे मामले की गम्भीरता क जक् कर दिया। अजय दीप ने तत्काल मेरे फोन के होल्ड करके हु पुलिस और स्थानीय प्रशासन के तत्काल करवाई करने क आदेश दिया।

लेकिन इस पूरे घटना के बारे में मैंने जब बहराइच के पत्रकारों के सत्रक करने की केशशि की, तो आप जानते हैं कि मुझे क्वी या नतीजा मला। ठेंगे की ब सात सौ पत्रकारों की बाढ़ नुमा भीड़ में से जसि भी पत्रकार से मैंने फोन पर सम्पर्क करने की केशशि की, उसक फोन या तो स्वचि-ऑफरहा, अथवा उनकी घंटी तो बजती रही, लेकिन उठी नहीं। हैरत की बात है कि ऐसा कैन सा धंधा करते हैं बहराइच के पत्रकार, जो रात के घोड़े बेच कर सो जाते हैं, और फिर चाहे पहाड़ टूटे या फिर जमीन फट जा, उनके नींद ही नहीं उठती।



बहरहाल, अब आपके दो जानकरियां दे दूं। पहली बार तो यह, कि बाढ़ में फंसे दोनों युवकों की जान बच गयी। प्रशासन की करवाई और मौके पर मदद पहुंचने तक ही स्थानीय ग्रामीणों ने उनकी जान बचा ली। और दूसरी बात बात यह कि उसके बाद लगातार 24 घंटों तक मैं यही खोजता रहा हूं कि बहराइच के पत्रकार किस-किस धंधे में शामिल हैं। कोई ठीकेदारी में है, कोई अपने बजाय दूसरे से खबर लिखवाता या किरड कराता है, कोई अधशिासी अभयिता की पटिाई में लपि त में है तो कोई धमकी देकर इंजीनयिर, सरकार और नेताओं से उगाही करने-कराने क धंधा कर रहा है।

तो अब यह मेरी ही जम्मेदारी है कि मैं ऐसे पत्रकारनुमा धंधे बाजों पर सख्त त करवाई करूं। वशि वास दलाता हूं कि जल्दी ही इस बारे में बाकयदा सीरीज प्रकशति करूंगा।

यह भी लिखूंगा कि कैन-कैन ऐसे पत्रकार कुल-क्लंक हैं, जो खबर के बजाय बाकी धंधों में हाथ चमक रहे हैं। और रोज-ब-रोज बड़ी गाड़ियों में घूम कर बड़े अप्सरों के साथ सेल फखचिवाने और फेसबुक पर लगा कर अपनी दलाली पर चार चांद लगाने में व् यस् त हैं। अब बहराइच के लोगों की जम्मेदारी है कि मुझे ऐसे पत्रकारों की करतूतों क खुलासा और तथ्य मुझ तक भजिवा दें।

0000 000 0000 0000000 00 000000 000 0000 00000,00000000 0000 000 00000000 00000000

Written by कुमार सौवीर

Tuesday, 15 August 2017 01:26
